Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

Test Booklet No.

J—4909

PAPER—III

ARAB CULTURE AND ISLAMIC STUDIES

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**

ARAB CULTURE AND ISLAMIC STUDIES

अरब संस्कृति एवं इस्लामिक अध्ययन

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : **यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।**

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Read the following passage carefully and answer all the five questions in 30 words each.

In the meantime, Khalid ibn-al-walid, "The sword of Allah", who was operating in al-Irāq at the head of some five hundred Riddah veterans in co-operation with the banu-Shaybān, a subtribe of the Bakr ibn-wā'il domiciled on the Persian border, was ordered by Abu-Bakr to rush to the relief of his fellow generals on the Syrian front. Though a minor affair in itself and undertaken possibly without the knowledge of the caliph, chronologically the raid on al-'Irāq stands, at the commencement of the Moslem military enterprises. But from the standpoint of al-Madinah and al-Hijaz neighbouring Syria was the place of chief concern. Before Abu-Bakr issued his orders al-Hirah in al-Irāq had capitulated to Khālid and his ally al-Muthanna ibn-Hari*thah*, the chief of the Shaybān Bedouins, for a consideration of 60,000 dirhams. This town with its Arab Christian kinglet was the earliest acquisition of Islam outside the peninsula and the first apple to fall from the Persian tree. 'Ayn al-Tamr, a fortified place in the desert north-west of al-Kūfah, had also been captured just before the famous march on Syria.

निचे दिये गये परिच्छेद को गौर से पढ़िये और दिये गये सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर 30 शब्दों में दिजिये।

इस अवसर पर ' ईश्वर की तलवार' (सैफुल्ला) खालिद बिन वलीद को जो इराक़ी सीमा पर बनु शैबान की युद्ध में सहायता कर रहे थे तब ही हजरत अबूबकर रजा का आदेश मिला कि तुरन्त सीरयन मोर्चे पर आजाऐ और अपने सहयोगी सेनापति की सहयता करे। बनुशैबान इरानी इराक की सीमा पर बकर इबन बाइल के कबीले की एक शाख थे हज़रत खालिद के सिपाही गिनती में केवल पाँच सौ के करीब थे किन्तु रिद्धा के युद्धों के अनुभवी थे और हरचन्द इराक पर उनका यह छोटा सा आक्रमण सम्भवत: ख़लीफ़ा इसलाम की जानकारी के बिना हुआ हो। इराक पर यह हमला कालानुसार वास्तव में मुसलमानो की युद्धता का महत्वपूर्ण आरम्भ था। परन्तु मदीना और हिजाज के दृष्टिकोण से पड़ोसी सीरया चिन्ता का कारण बना हुआ था, इससे पहले कि ह. अबूबकर के आदेश जारी हों अलहीरा (इराक़) ने खालिद और उन के सहयोगी मुसन्ना इबन हारसा जो बनू शैबान कबीले के सरदार थे के सामने आत्मसमर्पण कर दिया, जिसके बदले में हीरा से साठ हजार दिरहम से क्षतिपूर्ती की गई।

असल में अरब प्रायद्वीप के बाहर यह छोटा सा राज्य जिस पर एक इसाई अरब शासन करता था, मुसलमानों ने सबसे प्रथम इसको अपने अधिकार में लिया। यह इरानी साम्राज्य के वृक्ष का टूटा हुआ पहला सेब था जो मुसलमानों की झोली में गिरा। ह. खालिद ने कूफ़ा के उत्तर पश्चिम में मरूस्थल का क़िलाबन्द स्थान ऐन–अलतमर भी सीरया की तरफ़ अपने प्रसिद्ध आक्रमण से पहले ही जीत लिया था।

1. Why khalid ibn al-Walid is called "the sword of Allah ?"
खालिद इबन अल वलीद को ईश्वर की तलवार (सैफुल्ला) क्यों कहा जाता है?

2. Describe the role of Banu Shayban in supporting the cause of Islam.
इसलामी मुद्दे की सहायता में बनुशैबान के योगदान का वर्णन कीजिये।

3. Why syria was considered a place of Chief concern by the Muslim authorities ?

मुस्लिम सत्ताधारियों ने सीरया देश को सबसे अधिक चिन्ता का विषय क्यों समझा ?

4. What was the first conquest of Islam outside the Arabian peninsula.

अरब प्रायद्वीप के बाहर इसलाम को पहली विजय कहाँ प्राप्त हुई ?

5. Describe the geographical location of ‘Ayn al-Tamr.
ऐन-अलतमर के भुगोलिक स्थान को निर्धारित कीजिए।

SECTION - II / खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. **(5x15=75 marks)**

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। **(5x15=75 अंक)**

6. Describe the main climatic conditions of the Arabian peninsula.
अरब प्रायद्वीप की मुख्य जलवायु-सम्बन्धी स्थिति का वर्णन करें।

7. Describe the Prophet's life at Madinah.

पैग़म्बर मुहम्मद (स.अ.) के मदीने के जीवन पर प्रकाश डालिए।

8. Write a short note on social life at Madinah in the early phase of Islam.

इस्लाम के आरम्भिक दिनों में मदीने के सामाजिक जीवन पर संक्षिप्त टिप्पणी करें।

9. What is meant by the institution of Khilafat ?

खिलाफत की सस्थ़ा से क्या तात्पर्य है ?

10. Describe the main achievements of Caliph Bakr.

खलीफ़ा अबू बक्र की मुख्य उपलब्धियों का वर्णन करें।

11. Show your acquaintance with Arab Nationalism adopted by the Umayyads.

उमैय्याद शासकों की अरब राष्ट्रवाद की नीति से अपनी जानकारी प्रकट कीजिए।

12. Give a brief account of social conditions under the Umayyads.

उमवी काल में सामाजिक स्थिति का संक्षिप्त विवरण कीजिए।

13. Describe the main achievemetns of Caliph Mamun.

ख़लीफ़ा मामून की मुख्य उपलब्धियों का वर्णन कीजिए।

14. Give a brief account of the progress made in the field of medicine under the Abbasid Caliphate.

अब्बासी खिलाफ़त काल में चिकित्सा के क्षेत्र में उन्नति का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

15. Descirbe the main ethical teachings of the Qur'an.

कुरआन की मुख्य नैतिक शिक्षाओं का वर्णन कीजिए।

16. Show your acquaintance with the tafsir of Maulana Ashraf Ali Thanvi.

मौलान अशरफ़ अली थानवी की तफसीर से अपनी जानकारी को प्रकट कीजिए।

17. Enumerate the major collections of Hadith along with their compilers.

हदीस के मुख्य सग्रंहणों को उनके संकलनकर्ताओं समेत नाम लेकर बताइए।

18. Describe the primary sources of Islamic Law.

इस्लामी कानून के बुनियादी स्रोतों का वर्णन कीजिए।

19. Write in brief the main aspects of the development of Ilm al-Kalam.

इल्मे कलाम के विकास के मुख्य पहलूओं को संक्षिप्त में लिखिये।

20. Give the important features of Chishtiyah Order.

चिश्तीया सिलसिले के महत्त्वपूर्ण उपलक्षणों को लिखिये।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose ***only one*** elective / specialisation and answer all the ***five*** questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words. **(12x5=60 marks)**

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को ***केवल एक*** ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से ***पाँचो प्रश्नों*** का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है। **(12x5=60 अंक)**â

Elective - I / विकल्प – I
(Islamic Studies) / (इस्लामी अध्ययन)

21. Describe the contribution of Jamat Islami in the revival of Islam.
इस्लाम के पुनर्जीवन में जमाते इस्लामी के योगदान का वर्णन कीजिए।

22. Discuss the role of Maulana Ilyās as a socio- religious reformer.
समाजी एंव धार्मिक सुधारक के रुप में मौलाना इल्यास की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

23. How far the Islamic Revolution of 1979 is responsible for the socio-religious reforms in Iran
इरान में समाजी एवं धार्मिक सुधारों के लिए 1979 की इस्लामी क्रांति किस हद तक ज़िम्मेवार है?

24. Write a note on socio-religious conditions in pre-revolution Iran.
इरान में क्रांति से पूर्व की समाजी एंव धार्मिक दशा पर टिप्पणी कीजिए।

25. Assess the role of Milli Salamat Party in reviving Islamic traditions in Modern Turkey.
आधुनिक तुर्की में इस्लामी परम्पराओं के पुनर्जीवन में मिल्ली सलामत पार्टी की भूमिका का मुल्यांकन कीजिए।

OR / अथवा

Elective - II / विकल्प – II
(Arab Culture) / (अरब संस्कृति)

21. Write a note on the impact of Western Civilization on the Arabs.
अरबों पर पश्चिमी सभ्यता के प्रभाव पर नोट लिखिये।

22. Write a note on India's foreign policy towards the crisis in Palestine.
फ़लिसतीन की संकट अवस्था *(crisis)* के प्रति भारत की विदेश नीति पर एक नोट लिखिये।

23. "Kitab al-Hind is the treasure of information about India." Comment.
''किताब-अलहिन्द'' भारत के सम्बन्ध में ज्ञान का ख़जाना है, समीक्षा करें।

24. Give a brief outline of Indo-Arab cultural relations.
भारत और अरब के सांस्कृतिक सम्बन्धों पर लेख लिखिये।

25. Write a note on the Arab accounts of India as reflected in the writings of Arab Historians.
अरब इतिहासकारों के लेखन में भारत की छवि पर एक नोट लिखिये।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. **(40x1=40 marks)**

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है। **(40x1=40 अंक)**

26. Assess the impact of Allama Iqbal on the religious thought of Indian Muslims.

भारतीय मुसलमानो के धार्मिक विचारों पर अल्लामा इक़बाल के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए।

OR / अथवा

Write an essay on the image of India as reflected in the Arab Travelogues.

अरब सफ़रनामों में भारत का प्रकट किया गया चित्र, पर एक लेख लिखिये।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....